Exam. Code : 216303
Subject Code: 5327

M.A. Hindi 3rd Semester
PRACHIN AVE MADHYAKALIN HINDI KAVYA
Paper—XI

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **चार** भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग से कम से कम **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है। **पाँचवां** प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का होगा। (16×5=80)

भाग—अ

निम्नलिखित पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

1. मेरा-तेरा मनुआँ कैसे होई रे।
मैं कहता हूँ आँखिन देखी, तू कहता है कागद की देखी।
मैं कहता सुरझावनहारी, तू राख्यौ उरझाई रे।
मैं कहता तू जागत रहियो, तू रहता है सोई रे।
मैं कहता निर्मोही रहियो, तू जाता है मोही रे।
जुगन जगन समुझावत हारा, कही न मानत कोई रे।
तू तो रंडी फिरै बिहंडी, सब धन डारे खोई रे।
सतगुरु धारा निर्मल बाहै, वामै काया धोई रे।
कहत कबीर सुनो भाइ साधो, तब ही वैसा होई रे।

Scanned with CamScanner

2. कुहुकि कुहुकि जीस कोइलि रोई। रक्त आंसु घुघुची बन बोई।
मैं करमुखी नैन तन राती। को सिराब बिरहा दुख ताती।
जहं जहं ठाढ़ि होई बनबासी। तहं तहं होई घुघुचिन्ह कै रासी।
बुंद बुंद महँ जानहुँ जीऊ। कुंजा गुनि करहिं पिउ पीऊ।
तेहि दुख डहे परास निपाते। लोहू बूड़ि उठे परभाते।
राते बिंब भए तेहि लोहू। परवर पाक फाट हिय गोहूँ।
देखिअ जहाँ सोइ होइ राता। जहाँ सो रतन कहै को बाता।

ना पावस ओहि देसरें, न हेवंत बसन्त।
ना कोकिल न पपीहा, केहि सुनि आवहि कंत।

भाग—ब

3. अमीर खुसरो के काव्य की विशेषताओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।
4. गोरखनाथ का सामान्य परिचय लिखें ?

भाग—स

5. कबीर का सामाजिक दृष्टिकोण स्पष्ट करें।
6. रविदास का सामान्य परिचय लिखें।

भाग—द

7. सूफी काव्य-परम्परा में जायसी का स्थान निर्धारित करें।
8. जायसी के काव्य में लोकसंस्कृति को स्पष्ट करें।

Scanned with CamScanner